ऑर्गेनिक चावल नहीं खरीदें
क्यों?
हमारी जाँच रिपोर्ट पढ़ें

क्या आप सुपरमार्केट से ऑर्गेनिक (जैविक) उत्पादों को इसलिए लेते हैं कि वे सुरक्षित हैं और स्वास्थ्य के लिए बेहतर हैं? यदि हां, तो आपको झटका लगने वाला है। हमने ऑर्गेनिक चावल की सात ब्रांड का परीक्षण किया जिससे 6 ब्रांड में पेस्टिसाइड रेसिड्यू का पता चला और सभी 7 में भारी धातुएं थी! क्या यह सही है? किसी ऑर्गेनिक उत्पाद को खरीदने का मतलब यह होना चाहिए कि हम पेस्टिसाइड (कीटनाशक) मुक्त उत्पाद खरीद रहे हैं।

कोई मानक नहीं

इस समय ऑर्गेनिक चावल के लिए कोई विशिष्ट मानक (स्टैन्डर्ड) नहीं हैं, इसलिए हमने फूड सेफ्टी एंड स्टैन्डर्ड रेगुलेशन, 2011 के सादे चावल के स्टैन्डर्ड के अनुसार नमूनों का परीक्षण किया। भारत में ऑर्गेनिक उत्पादों के लिए कोई विशिष्ट स्टैन्डर्ड नहीं हैं, तो क्यों इस तरह के उत्पादों को देश में बेचने की अनुमति दी जा रही है?

ऑर्गेनिक उत्पादन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीओपी) केवल यह कहते हुए प्रोसेस स्टैन्डर्ड को सर्टिफाई करता है कि 'ऑर्गेनिक उत्पादों को रासायनिक खाद और कीटनाशकों के उपयोग के बिना उगाया जाता है'। क्या अंतिम उत्पाद के लिए भी विशिष्ट स्टैन्डर्ड आवश्यक नहीं हैं?

तरह-तरह के 'लोगो' क्यों?

अंतिम उत्पाद की गुणवत्ता जानने के लिए कोई स्टैन्डर्ड नहीं होने के बावजूद, इन ब्रांड पर कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के भिन्न-भिन्न 'लोगो' और सर्टिफ़िकेशन होते हैं। कई सर्टिफ़िकेशन और लोगो के पीछे निर्माता का इरादा क्वालिटी के बारे में आश्वासन देना है, लेकिन यह उपभोक्ताओं को भ्रमित कर सकता है। उदाहरण के लिए, *संजीवनी* ब्रांड पर पांच लोगो थे! राष्ट्रीय बिक्री के लिए किसी उत्पाद की पैकेजिंग पर कई अंतरराष्ट्रीय सर्टिफ़िकेशन की क्या जरूरत है?

हमारे परीक्षण

3 भारी धातुओं - लेड, कॉपर और आर्सेनिक का परीक्षण किया गया। हमने 16 पेस्टिसाइड (कीटनाशकों) के लिए

संक्षेप में

- ऑर्गेनिक चावल की परीक्षण की गई 7ब्रांड में से 6 ब्रांड में पेस्टिसाइड रेसिड्यू पाए गए
- सभी ऑर्गेनिक ब्रांड में भारी धातु के ट्रेस लेवल पाए गए
- ऑर्गेनिक ब्रांड बहुत अधिक महंगे थे

उत्पादों का परीक्षण किया। इनमें से 12 पेस्टिसाइड किसी भी ब्रांड में नहीं पाये गये। जिन चार का पता चला वे ऑर्गेनोफॉस्फेट समूह के थे।

स्वास्थ्य पर प्रभाव

भारी धातुएंः लेड न्यूरोटॉक्सिन है और बहुत कम मात्रा भी, विशेष रूप से बच्चों में, खतरनाक हो सकती है। कॉपर को एक बार में काफी ज्यादा या लंबी अवधि तक लेने से लीवर की बीमारी और पुरुषों में इन्फर्टिलिटी हो सकती है। खाने में लंबे समय तक आर्सेनिक के सेवन से कैंसर और हृदय रोग हो सकते हैं।

पेस्टिसाइड रेसिड्यू (कीटनाशक अवशिष्ट): लंबे समय में कीटनाशकों की बहुत कम मात्रा भी नुकसान कर सकती है। हमारी जाँच से जिन पेस्टिसाइड का पता चला है, वे अमेरिका की ऑर्गेनिक उत्पादों के लिए पर्मीटिड पेस्टिसाइड की सूची में नहीं हैं। तीन ब्रांड में पाया गया क्लोरपाइरिफोस, सीखने में देरी, शारीरिक समन्वय में कमी और बच्चों में व्यवहार की समस्याओं के साथ जुड़ा हुआ है।

ज्यादा कीमत

ऑर्गेनिक चावल ब्रांड बहुत महंगे थे। दो सीमाओं की तुलना करें, तो सबसे मंहगे ऑर्गेनिक चावल ब्रांड - *फैबइंडिया ऑर्गेनिक्स* - की कीमत सबसे सस्ते नॉन-ऑर्गेनिक चावल ब्रांड - *हाइपरसिटी* की कीमत से पांच गुना है। चावल जैसे मुख्य उत्पाद का ऑर्गेनिक रूप इतना महंगा क्यों? इसे आम आदमी नहीं खरीद सकता।

मुख्य निष्कर्ष

मानदंड	ऑर्गेनिक चावल	नॉन-ऑर्गेनिक चावल
पेस्टिसाइड रेसिड्यू (कीटनाशक अवशिष्ट)	7 में से 6 ब्रांड में मौजूद। *फैबइंडिया ऑर्गेनिक्स* में पेस्टिसाइड रेसिड्यू नहीं थे। दो ब्रांड - *ऑर्गेनिक ऑन कॉल* और *संजीवनी ऑर्गेनिक्स* - में क्लोरपाइरिफोस, सीमा से अधिक थे।	4 में से 2 ब्रांड *-कोहिनूर एवरीडे बासमती* और *बेस्ट फाइन इंडियन राइस स्पेशल* में मौजूद
भारी धातुएं	सभी 7 ब्रांड में ट्रेस लेवल मौजूद	• किसी भी ब्रांड में आर्सेनिक नहीं • ऑर्गेनिक चावल ब्रांड की तुलना में लेड की मात्रा कम • ऑर्गेनिक चावल ब्रांड की तुलना में कॉपर की मात्रा अधिक
कीमत	अधिकतम - 235 रु. न्यूनतम - 85 रु.	अधिकतम - 160 रु. न्यूनतम - 45 रु.

(विवरण के लिए जाँच परिणाम तालिका देखें)

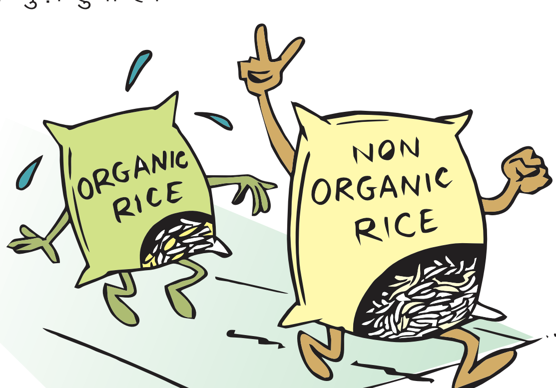

लेबल पर झूठे दावे

अधिकांश ऑर्गेनिक ब्रांड पेस्टिसाइड से मुक्त होने का दावा करते हैं। उदाहरण के लिए, *मोरारका आर्गेनिक डॉउन टू अर्थ*, जिसमें पेस्टिसाइड रेसिड्यू और टॉक्सिक भारी धातुएं दोनों पाई गई, उसका दावा है किः '... कैमिकल, फर्टिलाइजर, पेस्टिसाइड, टॉक्सिक पदार्थों, सिंथेटिक हार्मोन से मुक्त ...'। नॉन-ऑर्गेनिक ब्रांड ने पैकेजिंग पर पेस्टिसाइड या टॉक्सिक पदार्थ के नहीं होने का उल्लेख नहीं किया था। दो ऑर्गेनिक ब्रांड - *विकल्प* और *ऑर्गेनिक ऑन कॉल* - पर कोई भी ऑर्गेनिक सर्टिफ़िकेशन नहीं था।

निर्माताओं के जवाब

हमारी पॉलिसी के अनुसार, हम रजिस्ट्र्ड एडी/कूरियर द्वारा सभी निर्माताओं को जाँच के परिणाम भेजते हैं। उन्हें केवल अपने उत्पाद के ही परिणाम मिलते हैं और

जवाब देने के लिए उन्हें दो हफ्ते का वक्त दिया जाता है। प्रेस में जाते समय तक आए निर्माताओं के जवाब:

संजीवनी: क्लोरपाइरिफोस को छोड़कर सभी मापदंड सीमा के भीतर थे, वह भी सीमा से थोड़ा सा ही ज्यादा था और 'निर्णय त्रुटि' (एरर ऑफ़ जजमेंट) के करीब था। इसके अलावा, ऑर्गेनिक सर्टिफ़िकेशन पद्धतियों और प्रक्रियाओं के लिए दिया जाता है, न कि उत्पादों के लिए।

ग्राहक साथी: उपभोक्ताओं को प्रक्रियाओं और पद्धतियों से नहीं, बल्कि अंतिम उत्पाद से लेना-देना होता है। प्रक्रियाओं के लिए सर्टिफ़िकेशन अंतिम उत्पाद की गुणवत्ता में दिखना चाहिए।

24 मंत्रा ऑर्गेनिक: आपके परीक्षण के अनुसार हमारे उत्पाद में क्लोर्फेन्विनफोस की उपस्थिति के बारे में, हम बताना चाहते हैं कि पारंपरिक धान की खेती में भी इस

ऑर्गेनिक चावल : जाँच परिणाम

ब्रांड	समग्र स्कोर[1]	मूल्य/kg (रु.)	पेस्टिसाइड (mg/kg)[2]				भारी धातु (mg/kg)[3]		
			क्लोरपाइ-रिफोस NMT[4] 0.05	डाईक्लो-रवोस NMT 1	मेला - थियोंन NMT 4	क्लोर्फेन्वि-नफोस NMT 0.025	लेड NMT 2.5	कॉपर NMT 30	आर्सेनिक NMT 1.1
ऑर्गेनिक									
फैबइंडिया ऑर्गेनिक्स	97	235	ND[5]	ND	ND	ND	0.1	2.97	0.21
ऑर्गेनिक तत्व	90	105	ND	ND	ND	0.011	0.08	1.81	0.14
24 मंत्रा ऑर्गेनिक	87	85	ND	ND	ND	0.013	0.16	2.18	0.28
मोरारका आर्गेनिक डॉउन टू अर्थ	86	145	ND	ND	ND	0.011	0.38	2.02	0.43
विकल्प ऑर्गेनिक प्रोडक्ट	84	140	0.011	ND	ND	0.012	0.1	2.77	0.24
संजीवनी ऑर्गेनिक्स	78	104	0.054	ND	ND	ND	0.12	2.22	0.25
ऑर्गेनिक ऑन कॉल	73	180	0.068	0.017	0.026	ND	0.09	1.59	0.21
नॉन-ऑर्गेनिक									
हाइपरसिटी एवरीडे	98	45	ND	ND	ND	ND	0.052	5.27	ND
रिलायंस गुड लाइफ	98	75	ND	ND	ND	ND	0.085	5.17	ND
बेस्ट फाइन इंडियन राइस स्पेशल	97	160	ND	0.015	ND	ND	0.14	5.28	ND
कोहिनूर एवरीडे बासमती	88	89	0.025	ND	ND	ND	0.31	6.54	ND
भार (%)			70				30		

नोट्स

1 समग्र स्कोर की गणना टेबल में दिखाए गए भार देकर की गई है

2 और 3 फूड सेफ्टी एंड स्टैन्डर्ड रेगुलेशन, 2011 के अनुसार सादे चावल के लिए निर्धारित सीमा। पेस्टिसाइड रेसिड्यू और भारी धातुओं को कम को बेहतर माना गया

4 NMT= Not more than (से ज्यादा नहीं)

5 ND= Not Detected (नहीं मिला)

केमिकल का इस्तेमाल नहीं किया जाता है और हमारे प्रोजेक्ट क्षेत्र में यह उपलब्ध नहीं है। हम 180 पेस्टिसाइड के लिए मान्यता प्राप्त लेबोरेटरी में हमारे उत्पादों का परीक्षण करवाते हैं और हमारे सभी उत्पाद पेस्टिसाइड रेसिड्यू से मुक्त हैं, जिसका हमारी भेजी गई रिपोर्ट से पता चलता है।

ग्राहक साथी: क्लोर्फेन्विनफोस की उपस्थिति कटाई के दौरान क्रॉस-प्रदूषण से भी हो सकती है। इसके अलावा, कुछ कीटनाशक उपयोग बंद करने के बाद भी वातावरण में बचे रह सकते हैं। हम अपनी लेबोरेटरी रिपोर्ट को योग्य मानते है।

ऑर्गेनिक तत्वः कृपया ध्यान दें कि एपीईडीए (कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण) के दिशा निर्देशों के अनुसार ऑर्गेनिक उत्पादों के लिए भारी धातुओं के परीक्षण की कोई जरूरत नहीं है। जिस *सोनामसूरी* सफेद चावल लॉट का आपने परीक्षण किया था उसके हमारे परीक्षण में कोई पेस्टिसाइड नहीं पाया गया।

ग्राहक साथी: सच है, एपीईडीए के दिशानिर्देशों के अनुसार ऑर्गेनिक चावल में भारी धातुओं के परीक्षण की कोई आवश्यकता नहीं है। हमने भारी धातुओं के लिए परीक्षण इसलिए किया कि उपभोक्ताओं को खाद्य पदार्थों में उनकी मौजूदगी के बारे में चिंतित होना चाहिए। भारी धातुएं धीरे-धीरे शरीर में जमा हो जाती हैं और नुकसान पहुंचाती हैं। जब इसकी मात्रा बहुत बढ़ जाती है, तो विभिन्न अंगों और शरीर के सिस्टम के स्वस्थ कार्यों में काफी हद तक हस्तक्षेप करती हैं। जहां तक पेस्टिसाइड के अवशिष्ट का प्रश्न है, हम हमारी प्रयोगशाला की रिपोर्ट का समर्थन करते हैं।

तत्काल कार्रवाई की जरूरत

- भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) को ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थों के लिए विशिष्ट अनिवार्य मानक(स्टैन्डर्ड) तय करने चाहिए। हमारी एक साल पहले की अपील के जवाब में, हमें भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बताया था कि बीआईएस ने ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थों के लिए स्टैन्डर्ड तैयार करने के लिए समिति का गठन किया है। हालांकि, अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।
- अलग-अलग देशों के विभिन्न ऑर्गेनिक सर्टिफ़िकेशन लेबल उपभोक्ताओं को भ्रमित करते हैं। एनपीओपी (ऑर्गेनिक उत्पादन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम) का सर्टिफ़िकेशन अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। एनपीओपी को उत्पाद सर्टिफ़िकेशन भी करना चाहिए। भारत में मानक (स्टैन्डर्ड) बनाने से इतने सारे सर्टिफ़िकेशन/लोगो की जरूरत कम हो जाएगी। इसके अलावा, भारत को वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं (ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस) के अनुसार लेबलिंग नियमों का पालन करना चाहिए। उदाहरण के लिए, उपभोक्ता अमेरिका मॉडल के लेबल को बहुत आसानी से समझ सकते हैं।
- ऑनलाइन बेचे जाने वाले सहित सभी ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थों की क्वालिटी (गुणवत्ता) की नियमित निगरानी आवश्यक है।
- ऑर्गेनिक उत्पाद निर्माताओं के विज्ञापन दावों की बारीकी से निगरानी की जानी चाहिए।
- निर्माताओं को ईकोमार्क सर्टिफ़िकेशन लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

ग्राहक साथी के निष्कर्ष

इस परीक्षण का उद्देश्य यह जांच करना था कि क्या ऑर्गेनिक चावल, नॉन-ऑर्गेनिक चावल की तुलना में ज्यादा सुरक्षित हैं। परीक्षण ने साबित कर दिया कि ऐसा नहीं है। इसके कोई ठोस सबूत नहीं हैं कि ऑर्गेनिक खाने में रेगुलर खाने की तुलना में अधिक पोषक तत्व हैं। इसके अलावा, ऑर्गेनिक चावल बहुत अधिक महंगे हैं। हमारी जाँच के निष्कर्ष जानने के बाद भी क्या आप ऑर्गेनिक चावल खरीदने के लिए अधिक खर्च करना चाहेंगे? हमारी सलाह है कि ऑर्गेनिक चावल नहीं खरीदें।

हम आपको 7 ऑर्गेनिक ब्रांड की तुलना दे रहे हैं। *फैबइंडिया ऑर्गेनिक्स* ने उच्चतम समग्र स्कोर प्राप्त किया क्योंकि इसमें कोई पेस्टिसाइड नहीं था और भारी धातुएं सीमा के भीतर थी। लेकिन दूसरे नंबर पर उच्चतम समग्र स्कोर प्राप्त करने वाले *ऑर्गेनिक तत्व* से यह दुगने से अधिक मंहगा है।

लोग स्वस्थ विकल्प चुनना चाहते हैं और सरकार को इस मामले में उनकी सहायता करनी चाहिए। उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थों के नाम पर उपभोक्ताओं का शोषण नहीं हो। यह महत्वपूर्ण है कि नियामक अधिकारी स्टैन्डर्ड तय करें और ऑर्गेनिक खाद्य उत्पादों की क्वालिटी पर बारीकी से नजर रखें। ■